वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांकः 27 सितम्बर 2026

प्रस्तुतिः मीडिया सेल

हिंदुस्तान

स्मार्ट क्लास, कौशल प्रशिक्षण पर जोर

कुलपति ने विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक में नए प्रस्ताव भेजने के दिए निर्देश

जौनपुर, हिन्दुस्तान संवाद। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। विवि में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश दिए गए।



कुलपति सभागार में शनिवार को विभागाध्यक्षों और संकायाध्यक्षों के साथ बैठक करते वीसी प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े। बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पाठ्यक्रम और कौशल विकास पर जोर

कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। पाठ्यक्रम तैयार करते समय विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं और समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समयसीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन



को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानने तथा उन्हें खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक और संवादपरक बनाने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक कक्षा की शुरुआत विद्यार्थियों की रुचि जगाने वाले उदाहरणों, प्रश्नों, घटनाओं और समसामयिक संदर्भों से करें, ताकि विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़े।

स्मार्ट कक्षाओं को अधिक प्रभावी बनाने और उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। बैठक में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार करने तथा परिसर की स्वच्छता एवं बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभागों से सहयोग का आह्वान किया।

दैनिक जागरण

पीयू ने जारी किया वार्षिक खेलकूद कैलेंडर

विवि परिसर में होंगी प्रमुख प्रतियोगिताएं, विभिन्न महाविद्यालयों को भी मिली जिम्मेदारी

आयोजन के लिए संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी



जौनपुर (26 सितंबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, के खेलकूद परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है. खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं.

विवि परिसर में होंगी प्रतियोगिताएं

खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा. इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी. इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा.

महाविद्यालयों को जिम्मेदारी

बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर को, हैंडबाल पुरुष की फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, जौनपुर को तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जौनपुर को दी गई है. खो-खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज, सिंदीकपुर तथा खो-खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है. बास्केटबाल पुरुष के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है. कबड्डी पुरुष के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर तथा कबड्डी महिला के लिए मड़ियाहूं पीजी कॉलेज, मड़ियाहूं को जिम्मेदारी दी गई है. वालीबाल पुरुष की प्रतियोगिता सत्यदेव पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा क्रासकंट्री पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिता पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर में होगी. ट्रायल स्तर पर हॉकी महिला एवं पुरुष के लिए श्री चंद्रभान सिंह पीजी कॉलेज, करमपुर, गाजीपुर को जिम्मेदारी दी गई है. शक्तितोलन पुरुष एवं महिला तथा शरीर सौष्ठव पुरुष के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है. बास्केटबाल महिला के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा ताइक्वांडो पुरुष एवं महिला के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को जिम्मेदारी मिली है.

इन संस्थानों को दी गई जिम्मेदारी

बॉक्सिंग पुरुष एवं महिला के लिए एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, शूटिंग पुरुष एवं महिला के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर, हैंडबाल महिला के लिए राजाराम महाविद्यालय, बैलोचकला, जौनपुर तथा वालीबाल महिला के लिए राम अवध यादव राजकीय महिला महाविद्यालय, तारा, शाहगंज, जौनपुर को प्रतियोगिताएं आवंटित की गई हैं. इसी क्रम में कराटे पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, तीरंदाजी पुरुष एवं महिला की हिन्दू पीजी कॉलेज, जमानिया, गाजीपुर तथा भारतोलन महिला एवं पुरुष की राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर को दी गई है. वाकिंग की जिम्मेदारी श्री आचार्य बलदेव पीजी कॉलेज, पत्तहरिया, जौनपुर को सौंपी गई है. खेलकूद परिषद की ओर से जारी कैलेंडर के माध्यम से सत्र 2026-27 में होने वाली अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी गई हैं, जिससे प्रतियोगिताओं के संचालन की तैयारियां निर्धारित जिम्मेदारी वाले संस्थानों द्वारा की जा सकेंगी.

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर जोर

कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों संग की बैठक

जौनपुर (26 सितंबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर. के . सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई. बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया.

विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें. नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए. सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए. बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया. विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया. कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए. शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रुचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े. बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई.

व्यावहारिक प्रशिक्षण पर चर्चा

विवि में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई. बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया. बैठक में एनआईआरएफ सहित विवि की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई. कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए. कुलपति ने निर्देश दिया कि विभाग अपने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समय सीमा में विवि प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके. बैठक में कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाण्डेकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता, समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे.

जौनपुर धारा

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट कक्षा और कौशल प्रशिक्षण पर जोर

कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक, 30 सितंबर तक प्रस्ताव भेजने के निर्देश

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराने को लेकर शनिवार को कुलपति सभागार में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए पाठ्यक्रम शुरू करने, स्मार्ट कक्षाओं के प्रभावी उपयोग, कौशल विकास, खेलकूद और राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक पहचान मजबूत करने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

कुलपति ने विभागाध्यक्षों को नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम तैयार करते समय विद्यार्थियों



की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं और समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित विभागों को अपने प्रस्ताव 30 सितंबर तक विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को लागू किया जा सके। उन्होंने कक्षा शिक्षण को अधिक रुचिकर और संवादपरक बनाने पर भी जोर दिया। कहा कि शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाएं। इससे कक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैठक में स्मार्ट कक्षाओं को अधिक प्रभावी बनाने और उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर चर्चा हुई।

विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सुरक्षा समेत विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर भी विचार किया गया। खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानकर उन्हें खेल तथा अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे समेत विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को व्यवस्थित करने पर चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को समय के अनुरूप अद्यतन करने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत सभी कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार करने तथा स्वच्छ और बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभागों से सहयोग की अपेक्षा की। बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथडीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता समेत विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

NIP

Vice-Chancellor Holds Meeting with Deans and Heads of Departments

Jaunpur. A meeting of the Deans and Heads of Departments of Veer Bahadur Singh Purvanchal University was held on Saturday in the Vice-Chancellor's conference hall under the chairmanship of Vice-Chancellor Prof. R. K. Singh.



The meeting discussed several important issues, including strengthening academic quality, providing students with employment-oriented and skill-based education, and developing departments in accordance with modern academic requirements.

Vice-Chancellor Prof. Singh directed departments to prepare concrete proposals for introducing new and employment-oriented courses. He said that students' potential demand, employment opportunities and the needs of society should be taken into consideration while designing new courses. All concerned departments were instructed to submit their proposals to the university within the stipulated time.

Special emphasis was also placed on promoting sports activities. Departments were encouraged to identify students' talents and involve them in sports and other co-curricular activities.

The Vice-Chancellor stressed the need to make classroom teaching more engaging and interactive. He suggested that teachers begin classes with interesting events, examples, questions and contemporary issues rather than immediately starting with formal discussion of the subject. This, he said, would help increase student participation and interest.

The meeting also discussed making smart classrooms more effective and ensuring better use of available technological resources in teaching.

Special attention was given to students' skill development and practical training. The university also considered organising workshops on cyber security and other contemporary subjects with the help of external experts.

Discussions were also held on strengthening the university's efforts related to its national academic identity and rankings, including the National Institutional Ranking Framework (NIRF).

NORTHERN INDIA PATRIKA

तरुण मित्र

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर जोर, कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

तरुणमित्र।

- नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर. के . सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े। बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ भी सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार किया जाए तथा परिसर की स्वच्छता और बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभाग सहयोग करें। कुलपति ने निर्देश दिया कि विभाग अपने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समय सीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। बैठक में कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता, समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

पूर्वांचल लाइफ

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर जोर, कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

पूर्वांचल लाइफ

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर. के . सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा

▪ नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश

देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े। बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न



समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ भी सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार किया जाए तथा परिसर की स्वच्छता और बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभाग सहयोग करें। कुलपति ने निर्देश दिया कि विभाग अपने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समय सीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। बैठक में कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता, समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो.आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश

कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरूआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े।

बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध



तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ भी सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार किया जाए तथा परिसर की स्वच्छता और बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभाग सहयोग करें।

कुलपति ने निर्देश दिया कि विभाग अपने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समय सीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता, समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

रणतूर्ण

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पाठ्यक्रम और कौशल विकास पर जोर

जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। पाठ्यक्रम तैयार करते समय विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं और समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समयसीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानने तथा उन्हें खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक और संवादपरक बनाने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक कक्षा की शुरूआत विद्यार्थियों की रुचि जगाने वाले उदाहरणों, प्रश्नों, घटनाओं और समसामयिक संदर्भों से करें, ताकि



विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़े।

स्मार्ट कक्षाओं को अधिक प्रभावी बनाने और उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार करने तथा परिसर की स्वच्छता एवं बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभागों से सहयोग का आह्वान किया। कुलपति ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि अपने प्रस्ताव प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समयसीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

आज

जौनपुर

नये पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर जोर

वाइसचांसलर ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक, नये प्रस्ताव ३० सितंबर तक भेजने के निर्देश

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो.आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए।



सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े। बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई।

बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

तेजस टूडे

कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों संग की बैठक

बैठक

तेजस टूडे सं.
विरेन्द्र यादव

सरायखाजा, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में

नये पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास एवं कौशल प्रशिक्षण पर दिया गया जोर

विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरूआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े।

बैठक में स्मार्ट क्लास रूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न सामसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया।

बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ विनोद सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।



अमन की शान

अमन की शान हिन्दी दैनिक जौनपुर

कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर जोर

नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश

अमन की शान

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर. के . सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।



कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े।

बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया।

बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई।

कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ भी सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार किया जाए तथा परिसर की स्वच्छता और बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभाग सहयोग करें। कुलपति ने निर्देश दिया कि विभाग अपने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समय सीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

बैठक में कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता, समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

उम्मीद आप पब्लिक

कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों संग की बैठक

नये पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास एवं कौशल प्रशिक्षण पर दिया गया जोर



उम्मीद ऑफ पब्लिक सं.

सरायख्वाजा, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरूआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े।

बैठक में स्मार्ट क्लास रूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया।

बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ विनोद सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

कुलपति ने संकायाध्यक्षों व विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

विचार-विमर्श

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर जोर

नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश



विभागाध्यक्षों के साथ बैठक करते कुलपति प्रो. आरके सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरूआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े। बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। बैठक में कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता उपस्थित रहे।

पेंशनर्स का धरना 29 को

जौनपुर। केन्द्र सरकार के गठित आठवे बेतन आयोग के संकल्प पत्र मे एक जनवरी 2026 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी, अधिकारी, शिक्षक सहित सभी पेंशनर्स को टर्म्स रिफरेन्स मे सम्मिलित नही किए जाने से केन्द्र सरकार से पारित वित्त बिधेयक 2025 से पेंशनर्स मे बिभेद कर पेन्शनर्स को पेंशन पुनरीक्षण एवं महगाई राहत नही दिये जाने की मन्शा के छीपे ऐजेंडा का बिरोध 29 सितंबर को पूरे देश भर के सभी जनपद मे धरना-प्रदर्शन कर बिरोध करेगे। धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर सभी प्रदेशो मे होगा। उत्तर प्रदेश के सभी पचहत्तर जिलो के साथ ही जनपद मे धरना-प्रदर्शन सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसो. उत्तर प्रदेश के आह्वान पर होगा।

जनसंदेश टाइम्स

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, रविवार, 27 सितम्बर, 2026

पूर्वांचल विवि परिसर में होंगी प्रमुख प्रतियोगिताएं

कार्यक्रम

पीयू ने जारी किया सत्र 2026-27 का खेलकूद कैलेंडर

विभिन्न महाविद्यालयों को भी मिली जिम्मेदारी

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के खेलकूद परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज को, हैंडबाल पुरुष की फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज को तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज को दी गई है। खो-खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज सिद्दीकपुर तथा खो-खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। बास्केटबाल पुरुष के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है। कबड्डी पुरुष के लिए टीडीपीजी कॉलेज तथा कबड्डी महिला के लिए मड़ियाहूं पीजी कॉलेज, मड़ियाहूं को जिम्मेदारी दी गई है। वालीबाल पुरुष



की प्रतियोगिता सत्यदेव पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा क्रासकंट्री पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिता पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर में होगी। ट्रायल स्तर पर हॉकी महिला एवं पुरुष के लिए श्री चंद्रभान सिंह पीजी कॉलेज, करमपुर, गाजीपुर को जिम्मेदारी दी गई है। शक्तितोलन पुरुष एवं महिला तथा शरीर सौष्ठव पुरुष के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है। बास्केटबाल महिला के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा ताइक्वांडो पुरुष एवं महिला के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को जिम्मेदारी मिली है। बॉक्सिंग पुरुष एवं महिला के लिए एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, शूटिंग पुरुष एवं महिला के लिए टीडीपीजी कॉलेज, हैंडबाल महिला के लिए राजाराम महाविद्यालय, बैलोचकला, जौनपुर तथा वालीबाल महिला के लिए राम अवध यादव राजकीय महिला महाविद्यालय, तारा, शाहगंज, जौनपुर को प्रतियोगिताएं आवंटित की गई हैं। इसी क्रम में कराटे पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, तीरंदाजी पुरुष एवं महिला की हिन्दू पीजी कॉलेज, जमानियां, गाजीपुर तथा भारतोलन महिला एवं पुरुष की राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर को दी गई है। वाकिंग की जिम्मेदारी श्री आचार्य बलदेव पीजी कॉलेज, पतहरिया, जौनपुर को सौंपी गई है। खेलकूद परिषद की ओर से जारी कैलेंडर के माध्यम से सत्र 2026-27 में होने वाली अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी गई हैं, जिससे प्रतियोगिताओं के संचालन की तैयारियां निर्धारित जिम्मेदारी वाले संस्थानों द्वारा की जा सकेंगी।

अमर भारती

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर जोर

- कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक
- नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश



अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर. के . सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरुआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े। बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई।

कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ भी सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार किया जाए तथा परिसर की स्वच्छता और बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभाग सहयोग करें। कुलपति ने निर्देश दिया कि विभाग अपने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समय सीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। बैठक में कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता, समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।